सितम्बर के गुलाब

जीनेट

सितम्बर के गुलाब

11 सितम्बर 2001 के हादसे ने अमरीका समेत
दुनिया के तमाम लोगों की ज़िन्दगी को छुआ.
यह कहानी साउथ-अफ्रीका की उन दो महिलाओं के
बारे में है जो उस दिन हज़ारों गुलाब के फूल लेकर
अमरीका आयीं थीं.
वो एक फ्लावर-शो में भाग लेने आईं थीं.
पर हादसे के कारण फ्लावर-शो कैंसिल हो गया.
फिर उन महिलाओं ने फूलों का कुछ अलग ही
इस्तेमाल किया.

11 सितम्बर 2001 को सुबह 8. 50 बजे जब मैंने अपनी ड्रेसिंग टेबल के बाहर खिड़की में से देखा, तो मुझे एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के आगे एक धुएं का बादल उठता नज़र आया. जल्द ही मुझे पता चला कि जिस धुएं ने शहर को ढंका था वो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्विन-टावर्स से बाहर निकल रहा था. कुछ दिनों के बाद मैं यूनियन स्क्वायर गई जिससे मैं अन्य लोगों के दुःख-दर्द में भाग ले सकूं. जब मैं वहां पहुंची तो मुझे वहां बहुत से गुलाब के फूल दिखे. वो फूल कहाँ से आए? यह दिलचस्प कहानी उनके बारे में है.

जब मैं वहां खड़ी थी तब एक युवा आदमी मेरे पास आया और उसने वो गुलाब के फूल कहाँ से आये, उनकी कहानी मुझे सुनाई.

दूर स्थित साउथ -अफ्रीका में

महासागरों के पार
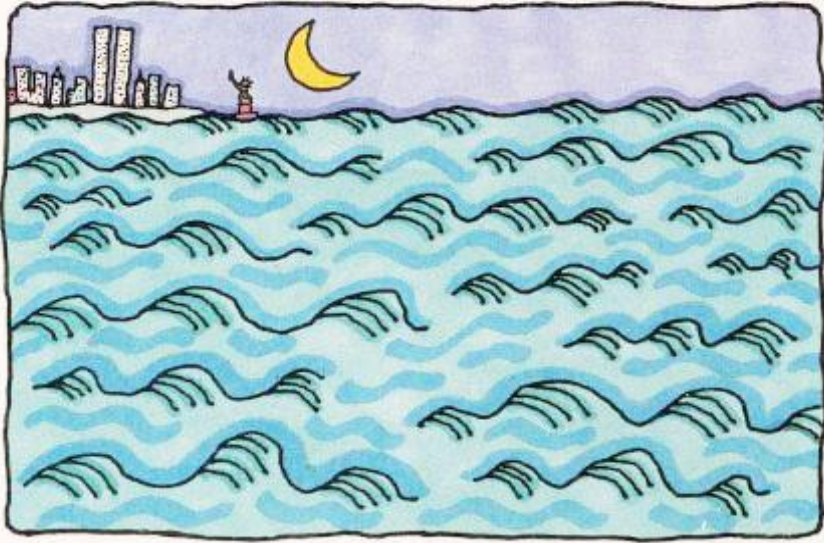
पहाड़ों के आगे
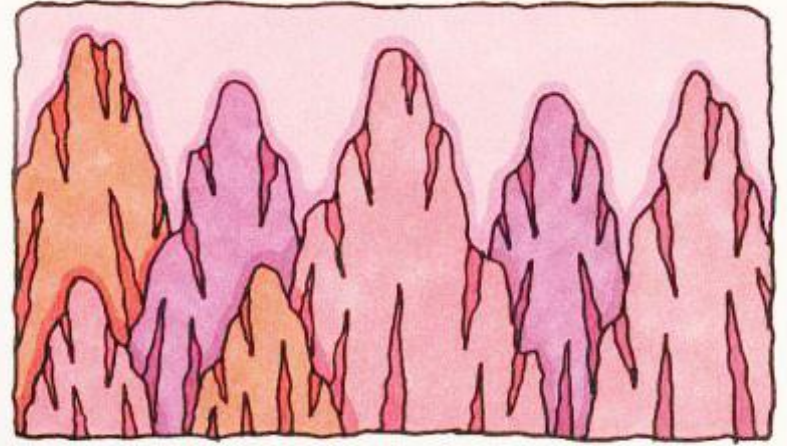
रेगिस्तान के परे
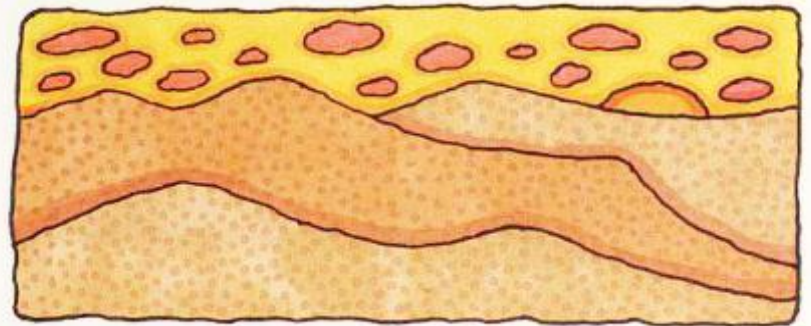
दो बहनें एक-साथ रहती थीं

वे गुलाब उगाती थीं.

उनके ग्रीन-हाउस में तमाम किस्म में गुलाब थे.

पीले, लाल, गुलाबी, सभी रंगों के गुलाब.

उनके घर के चारों ओर सिर्फ गुलाब के पौधे थे.

उनके घर का हरेक कमरा गुलाब की महक से भरा था.

दोनों बहनें एक फूलों की प्रदर्शनी में भाग लेने
के लिए जल्द ही न्यू-यॉर्क जाने वाली थीं.
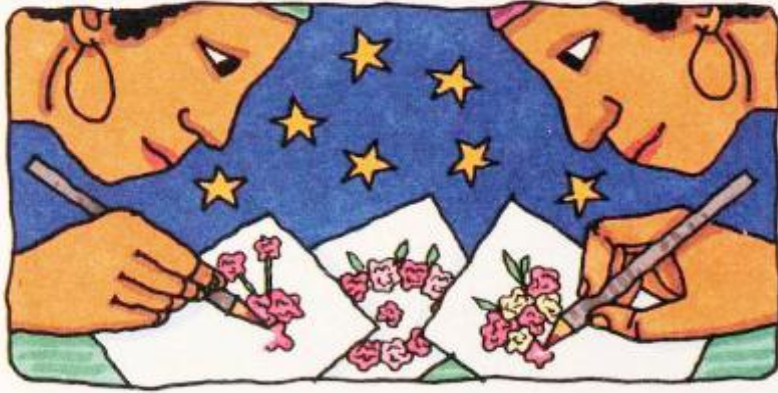
वहां वो गुलाबों को कैसे सजाएंगी,
दोनों बहनें उस डिज़ाइन पर काम कर रहीं थीं.

डिज़ाइन का काम ख़त्म होने के बाद
उन्होंने बड़े प्रेम से 2400 गुलाब के फूलों को पैक किया.

अब उनकी लम्बी यात्रा शुरू होने वाली थी.

हवा में बहुत ऊंचाई पर
दोनों बहनें सपने देख रही थीं
अपने गुलाब के फूलों के बारे में!
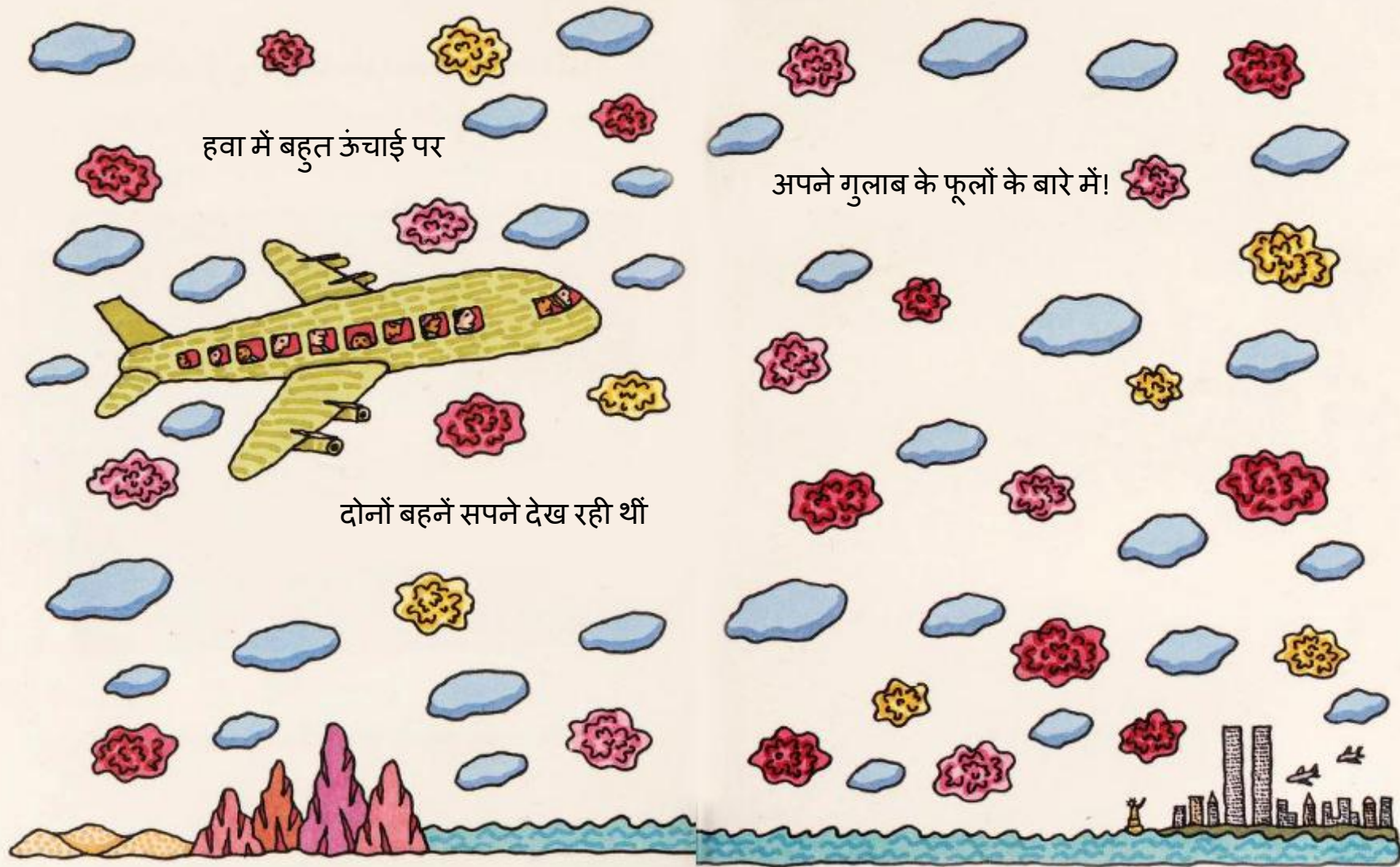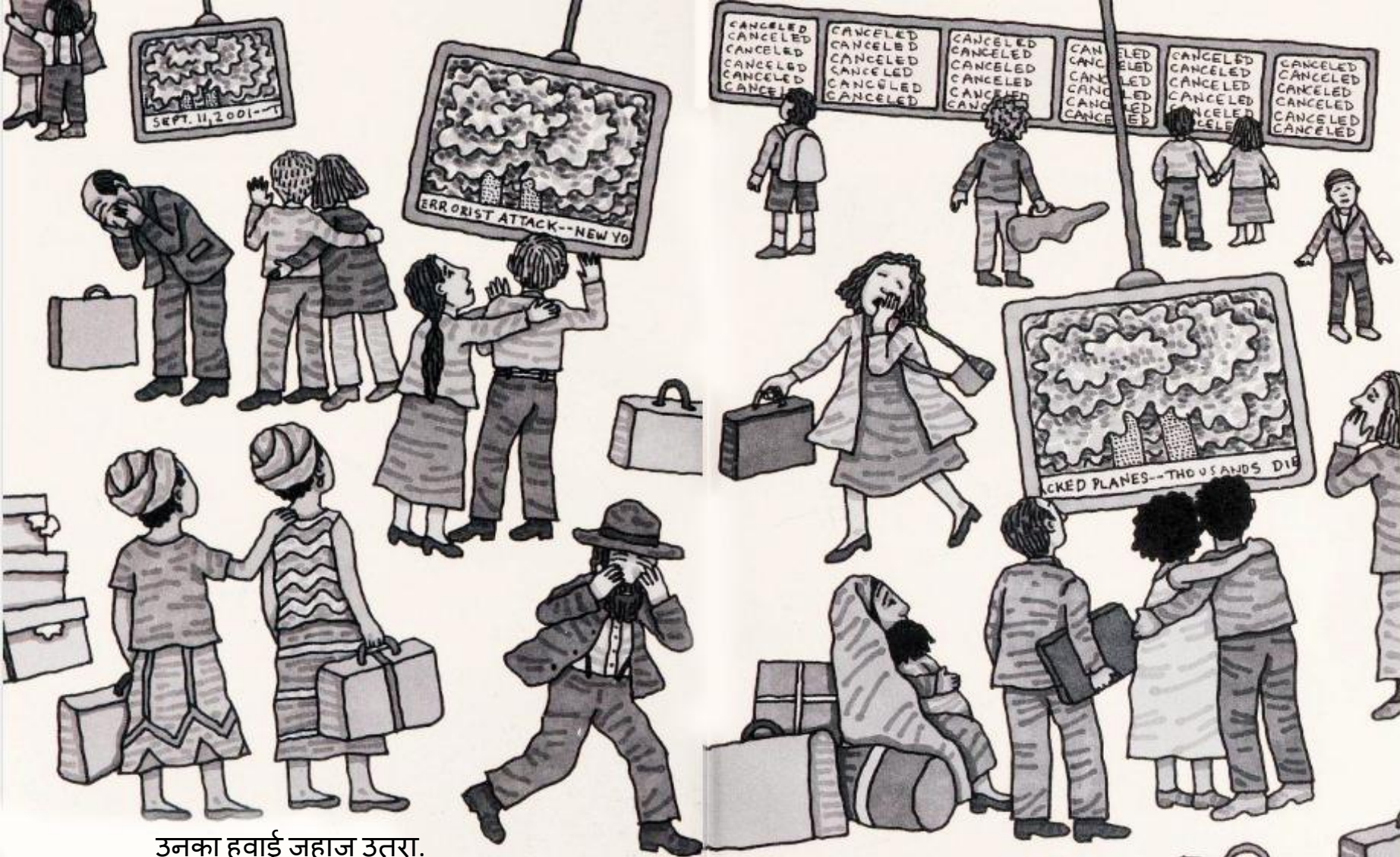
उनका हवाई जहाज़ उतरा.

फिर दोनों बहनों ने फूलों के साथ
एयरपोर्ट पर लंबा इंतज़ार किया.
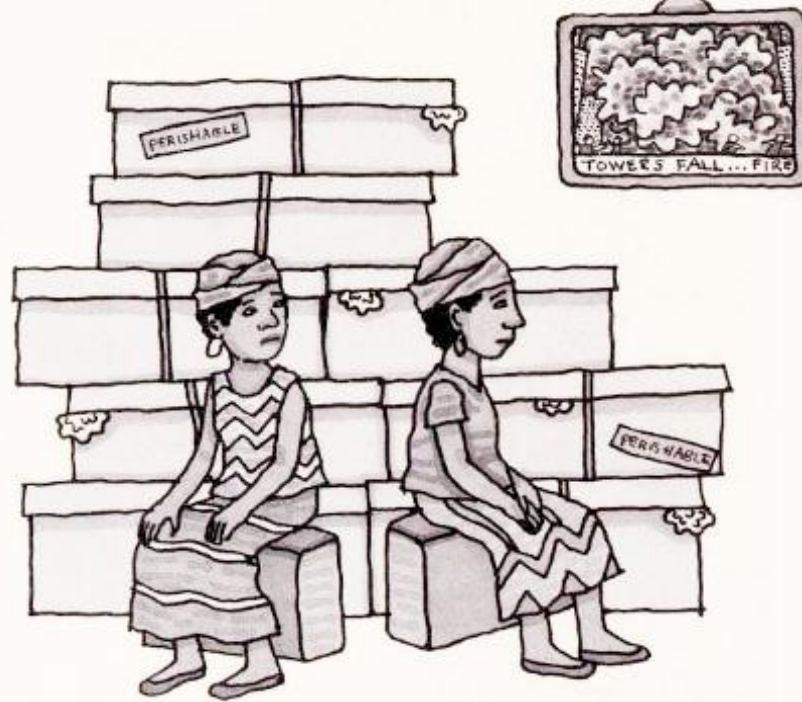
वो अगले पूरे दिन भी बैठी रहीं.

वो पूरी रात बैठी रहीं.
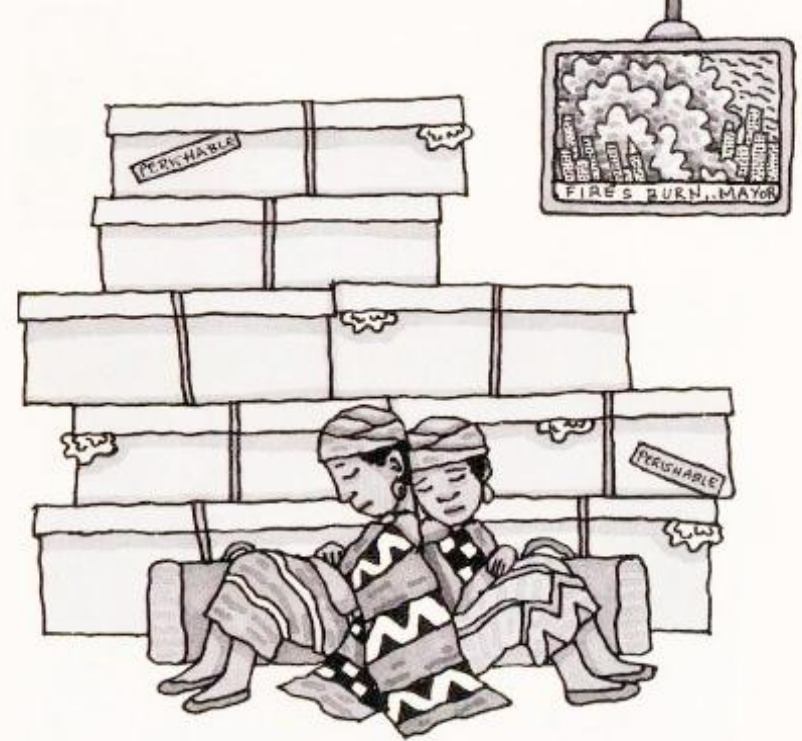
उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी.

मैं एक जगह जानता हूँ
जहाँ आप रह सकती हैं.
FIREFIGHTERS SEARCH
हम आपके परोपकार
का बदला कैसे चुकाएँ?

यह गुलाब ले लें, अब हमारे लिए उनका कोई उपयोग नहीं है.

आपके फूलों के लिए एक सही जगह है.

वो आदमी उन बहनों को शहर में ड्राइव करते हुए यूनियन स्क्वायर ले गया.

यहाँ फूलों की बहुत ज़रुरत है.
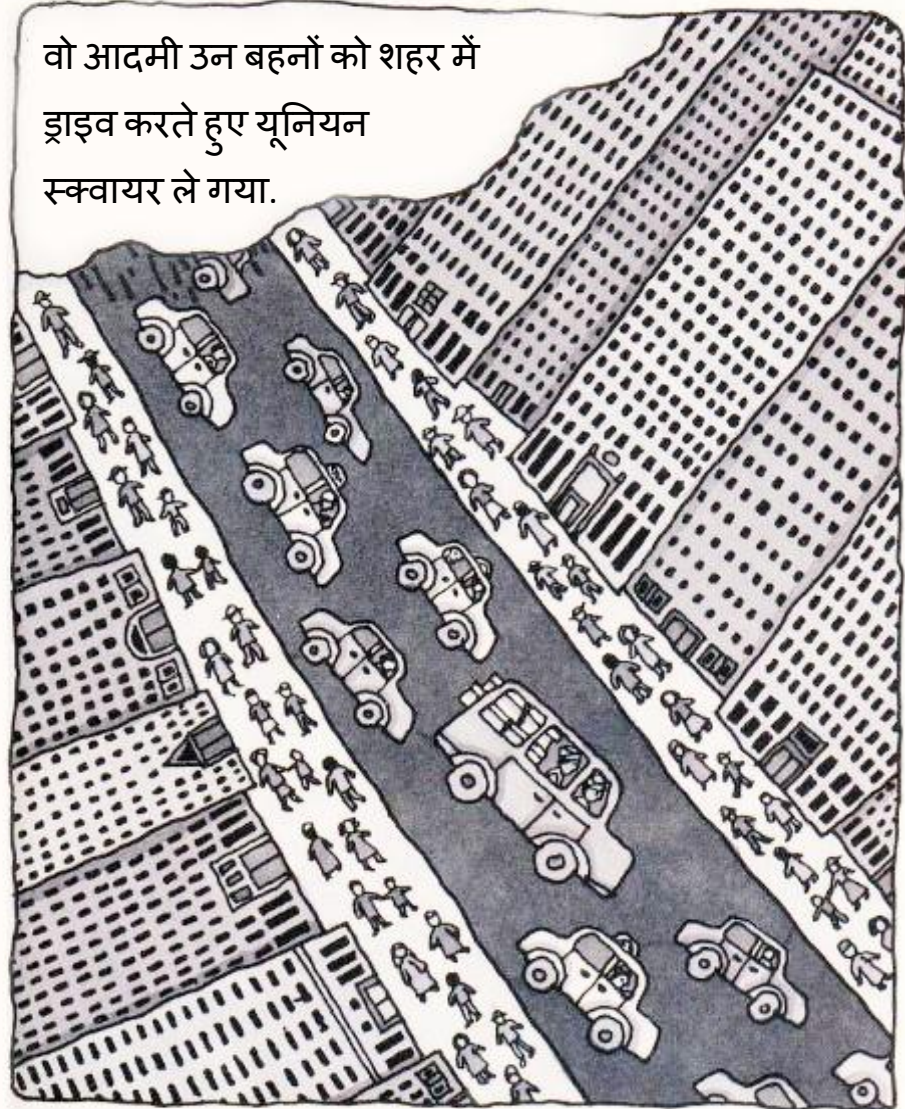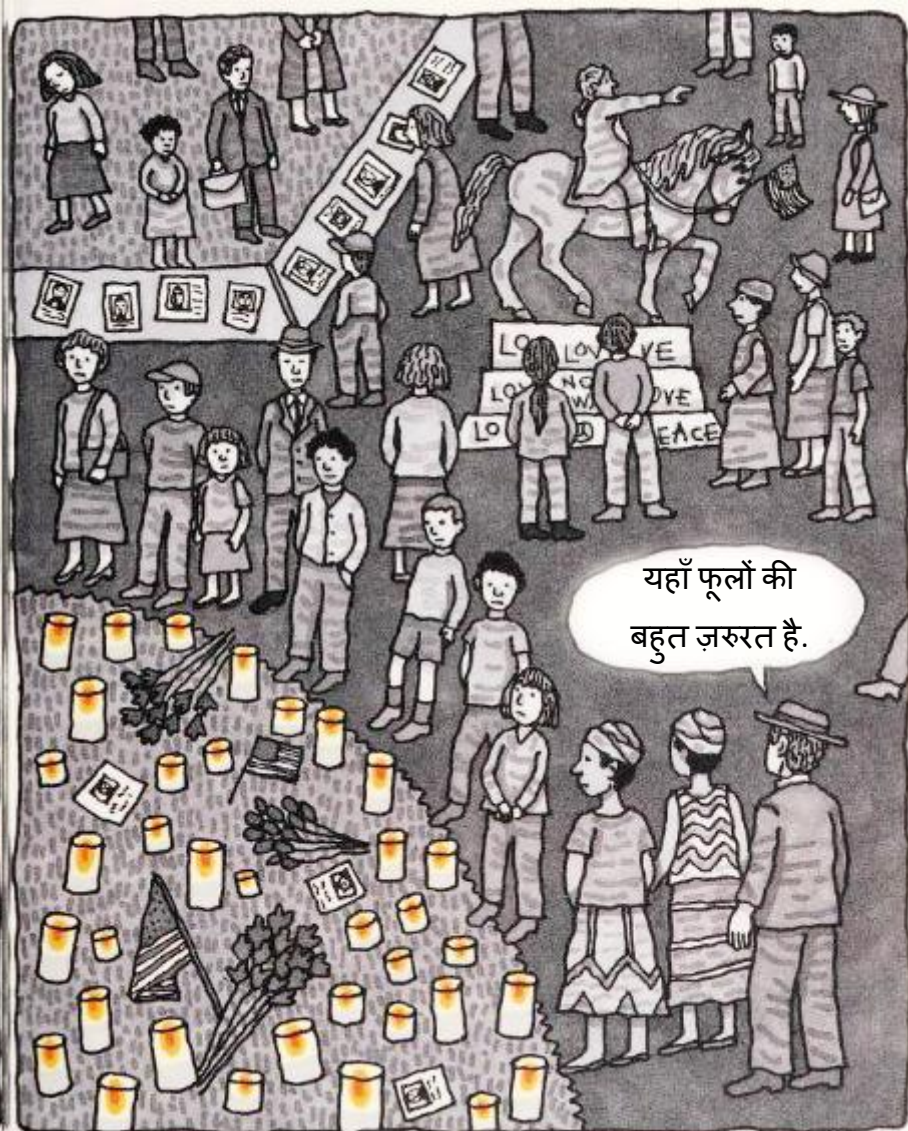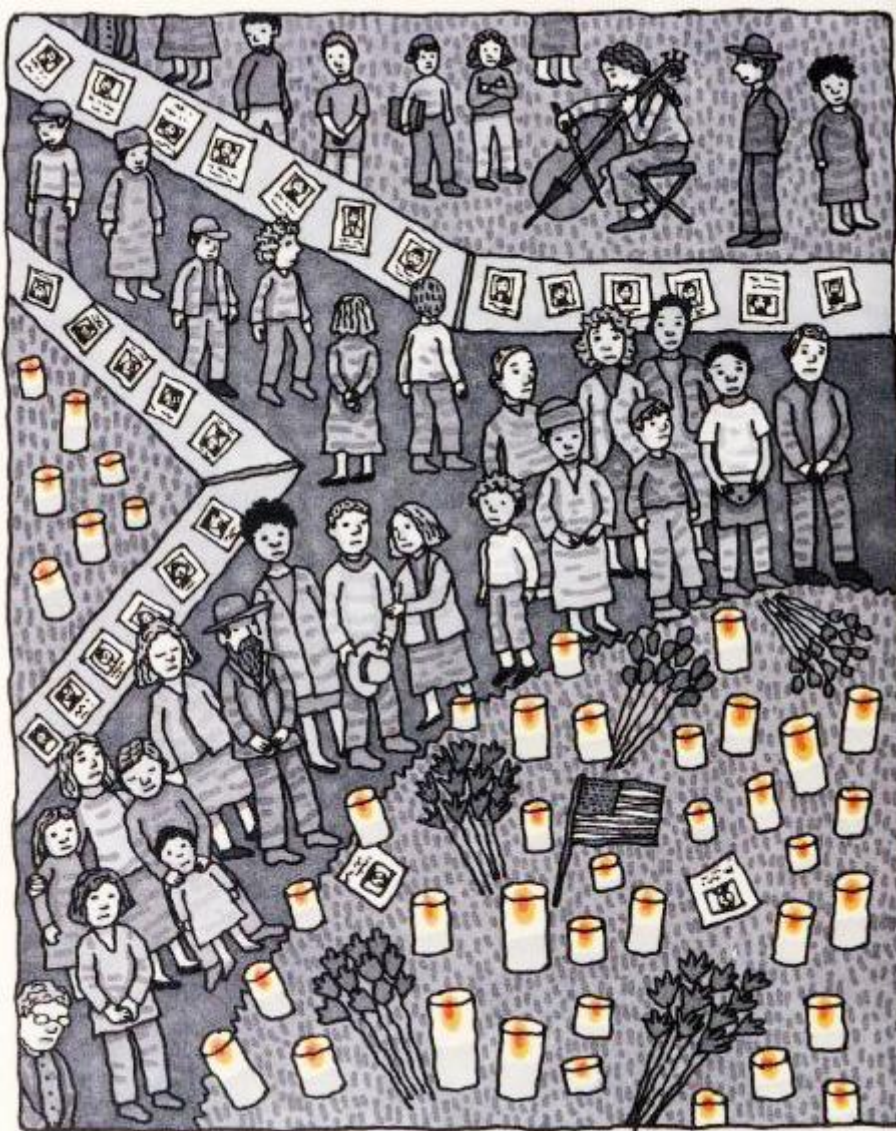
दोनों बहनें जानती थीं कि उन्हें क्या करना है.

वहां घास में उन्हें एक खाली जगह दिखाई दी.
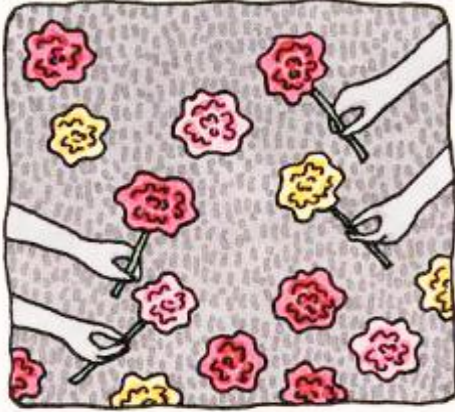
फिर उन्होंने अपना काम शुरू किया.

वो फूलों को एक-दूसरे के पास बड़े करीने से सजाती रहीं.

उनके हाथ बहुत तेज़ी से चल रहे थे.

जल्द ही घास का वो टुकड़ा फूलों से भर गया.
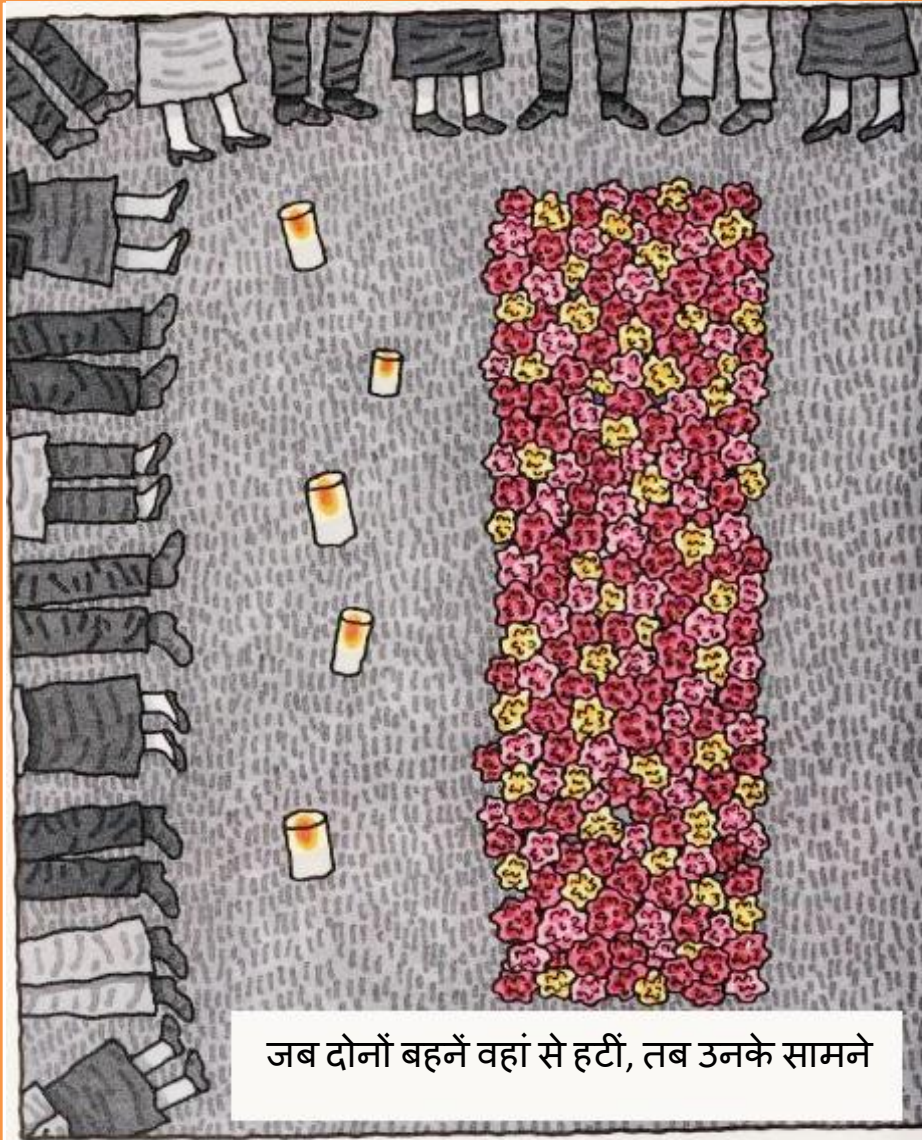
जब दोनों बहनें वहां से हटीं, तब उनके सामने
गिरी हुई ट्विन-टावर्स पड़ी थीं.
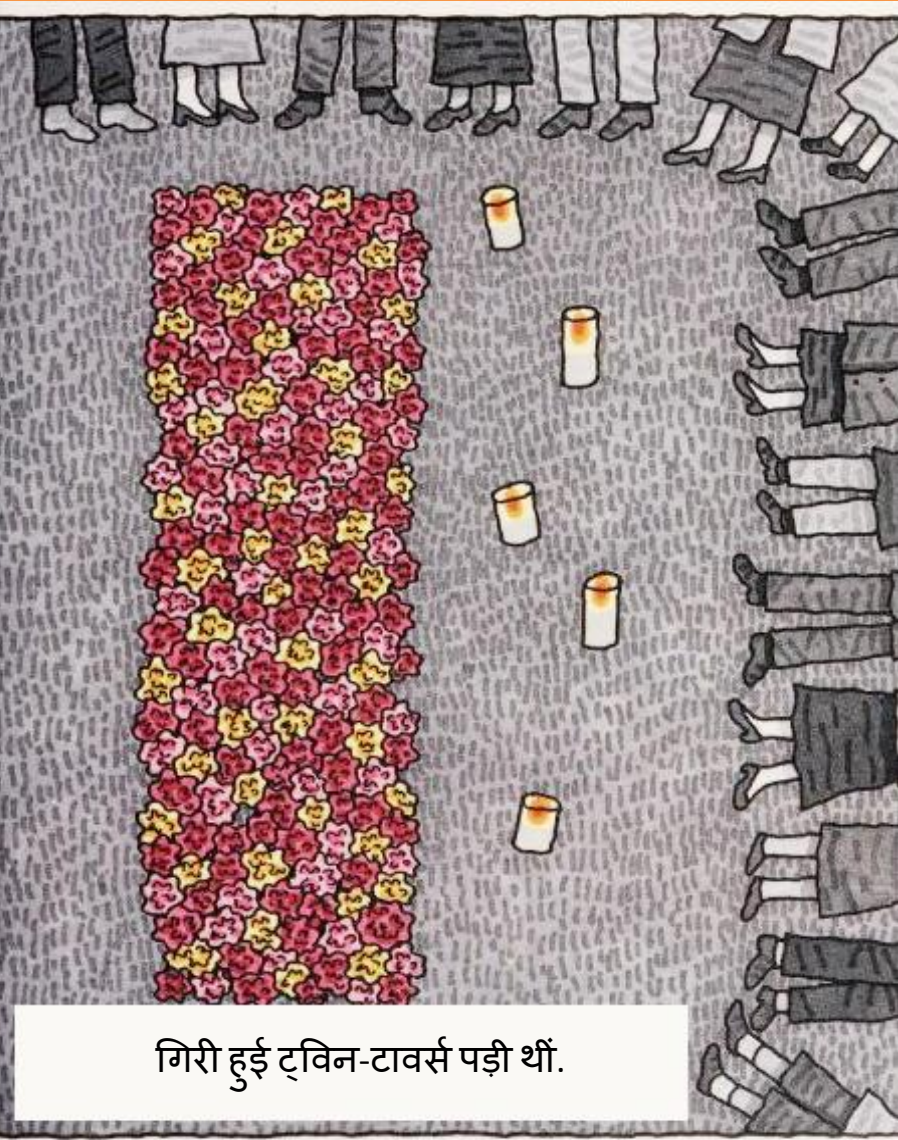
मेरे आंसू

उन फूलों पर गिरे.

बाद में मुझे इस कहानी के बारे में कुछ और जानकारी हासिल हुई :

वो दोनों महिलाएं साउथ-अफ्रीका में एक व्यवसाय के रूप में गुलाब के फूलों की खेती करती थीं. वो न्यू-यॉर्क के एग्रीफ्लावर और फ़्लोरिटेक एक्सपो में भाग लेने आईं थीं. ट्विन-टावर्स के ध्वस्त होने के बाद फूलों की प्रदर्शनी कैंसिल हो गयी, होटल खचाखच भर गए और सब फ्लाइट्स भी रद्द हो गईं. फिर दोनों बहनें लागुआर्डिआ एयरपोर्ट पर फंस गयीं. वहां पर रुकने और फूलों की देखभाल करने के अलावा अब उनके पास और कोई चारा नहीं था. तब न्यू-यॉर्क के फर्स्ट यूनाइटेड मेथोडिस्ट चर्च के लोग एयरपोर्ट पर फंसे लोगों की सहायता करने आये, और उन्होंने साउथ-अफ्रीका की इन दोनों बहनों के रहने आदि का इंतज़ाम किया.

समाप्त